Demand to stop privatization of Lokopriya Gopinath Bordoloi International Airport, Guwahati

SHRI RIPUN BORA (Assam): Sir, the Lokopriyo Gopinath Bordoloi International Airport is the pride of North East India. He was the Chief Minister of Assam and saved Assam and North East from the regrouping policy of British. He was conferred Bharat Ratna for his commendable services to the nation.

Guwahati is the gateway of Northeast. Recently, the Government of India has decided to privatize this profit-earning airport along with five other airports of the country.

The Airports Authority Employees Union and the public of Assam have vehemently opposed this move of privatization.

A Public Interest Litigation (PIL) is sub-judice in Guwahati High Court and final decision is yet to come. Under this backdrop, I urge upon the Government to stop the move of privatization of this airport which is emotionally and historically attached with the sentiment of entire Northeast region.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I would like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I would also like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI K.K. RAGESH (Kerala): Sir, I would also like to associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Demand to develop Chitrakoot as a tourist destination

श्री संजय सेठ (उत्तर प्रदेश): महोदय, माननीय प्रधान मंत्री जी के द्वारा करोड़ों राम भक्तों की आस्था को ध्यान में रख कर, भगवान श्री राम के भव्य मन्दिर के निर्माण का पूजन 5 अगस्त को अयोध्या जी में किया गया। इस मंदिर के निर्माण के साथ-साथ पूरी अयोध्या पावन नगरी को धार्मिक टूरिज़्म के लिए विकसित किया जाएगा, जिसके लिए यहां एयरपोर्ट, होटल्स, म्यूज़ियम आदि का निर्माण शुरू हो गया है। मंदिर निर्माण पूर्ण होने पर लगभग 1 लाख से 1.5 लाख दर्शनार्थी हर रोज वहां दर्शन करने पधारेंगे।

महोदय, अयोध्या के बाद धार्मिक नगरी चित्रकूट भी उतनी ही प्रसिद्ध है, जितनी अयोध्या। चित्रकूट वह स्थान है, जहां भगवान श्री राम ने सीता जी और लक्ष्मण जी समेत वनवास के 12

[श्री संजय सेठ]

साल बिताए थे। इस स्थान की भी उतनी ही महत्ता है, जितनी कि अयोध्या जी की है, इसलिए इस स्थान की महत्ता को समझकर चित्रकूट का भी विकास करना चाहिए। हालांकि उत्तर प्रदेश सरकार ने टूरिज़्म को बढ़ावा देने और लोगों की भावनाओं को सम्मान देते हुए अयोध्या के साथ ही धार्मिक नगरी चित्रकूट का विकास करने की पहल की है, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार के सतना जनपद में भी चित्रकूट का कुछ भाग आता है। यहां भी कई धार्मिक स्थल हैं। अगर भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार इस ओर ध्यान दें, तो मध्य प्रदेश में टूरिज़्म का विकास भी होगा और साथ ही साथ दोनों राज्यों का राजस्व भी बढ़ेगा।

डा. सस्मित पात्रा (ओडिशा): सर, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री हरनाथ सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री सी.एम. रमेश (आंध्र प्रदेश): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री राम विचार नेताम (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती रमिलाबेन बारा (गुजरात): सर, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्री सकलदीप राजभर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विशेष उल्लेख से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

Demand to confer classical status to Odissi music

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, the Odisha Heritage Cabinet, chaired by hon. Chief Minister, Shri Naveen Patnaik, passed a resolution on 2nd September, 2020,